

Political Theory

Political theory has its roots in the twin aspects of the human self. It analyses certain basic questions such as how should society be organised? Why do we need government? What is the best form of government? Does law limit our freedom? What does the state owe its citizens? What do we owe each other as citizens?

राजनीतिक सिद्धांत की जड़ें मानव अस्मिता के इन जुड़वा पहलुओं में होती हैं। यह कुछ खास बुनियादी प्रश्नों का विश्लेषण करता है। जैसे, समाज को कैसे संगठित होना चाहिए? हमें सरकार की ज़रूरत क्यों है? सरकार का सर्वश्रेष्ठ रूप कौन-सा है? क्या कानून हमारी आज़ादी को सीमित करता है? राजसत्ता की अपने नागरिकों के प्रति क्या देनदारी होती है? नागरिक के रूप में एक-दूसरे के प्रति हमारी क्या देनदारी होती है?

Political Theory

➤ **Political theory examines questions of this kind and systematically thinks about the values that inform political life – values such as freedom, equality and justice. It explains the meaning and significance of these and other related concepts. It clarifies the existing definitions of these concepts by focusing on some major political thinkers of the past and present.**

राजनीतिक सिद्धांत इस तरह के प्रश्नों की पड़ताल करता है और राजनीतिक जीवन को अनुप्राणित करने वाले स्वतंत्रता, समानता और न्याय जैसे मूल्यों के बारे में सुव्यवस्थित रूप से विचार करता है। यह इनके और अन्य संबद्ध अवधारणाओं के अर्थ और महत्त्व की व्याख्या करता है। यह अतीत और वर्तमान के कुछ प्रमुख राजनीतिक चिंतकों को कद्र में रखकर इन अवधारणाओं की मौजूदा परिभाषाओं को स्पष्ट करता है।

Political Theory

The objective of political theory is to train citizens to think rationally about political questions and assess the political events of our time.

राजनीतिक सिद्धांत का उद्देश्य नागरिकों को राजनीतिक प्रश्नों के बारे में तर्कसंगत ढंग से सोचने और सामयिक राजनीतिक घटनाओं को सही तरीके से आँकने का प्रशिक्षण देना है।

Political Theory

WHAT DO WE STUDY IN POLITICAL THEORY?

राजनीतिक सिद्धांत में हम क्या पढ़ते हैं?

Political Theory

Political theory deals with the ideas and principles that shape Constitutions, governments and social life in a systematic manner. It clarifies the meaning of concepts such as freedom, equality, justice, democracy, secularism and so on. It probes the significance of principles such as rule of law, separation of powers, judicial review, etc. This is done by examining the arguments advanced by different thinkers in defence of these concepts.

राजनीतिक सिद्धांत उन विचारों और नीतियों को व्यवस्थित रूप को प्रतिबिंबित करता है, जिनसे हमारे सामाजिक जीवन, सरकार और संविधान ने आकार ग्रहण किया है। यह स्वतंत्रता, समानता, न्याय, लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता जैसी अवधारणाओं का अर्थ स्पष्ट करता है। यह कानून का राज, अधिकारों का बँटवारा और न्यायिक पुनरावलोकन जैसी नीतियों की सार्थकता की जाँच करता है।

Political Theory

WHY SHOULD WE STUDY POLITICAL THEORY?

First of all, political theory is relevant for all the above target groups. As high school students, we may choose one of the above professions in the future and so indirectly it is relevant for us even now. Do we not learn mathematics although not all of us will become mathematicians or engineers? Is it not because basic arithmetic is useful to life in general?

हमें राजनीतिक सिद्धांत क्यों पढ़ना चाहिए?

पहली बात तो यह कि राजनीतिक सिद्धांत ऐसे सभी समूहों के लिए प्रासंगिक है। छात्र के रूप में हम भविष्य में उपरोक्त पेशों में से किसी एक को चुन सकते हैं और इसलिए परोक्ष रूप से यह अभी ही हमारे लिए प्रासंगिक है। क्या हम गणित नहीं पढ़ते, जबकि हममें से सभी गणितज्ञ या इंजीनियर नहीं बनेंगे? क्या इसीलिए नहीं कि बुनियादी अंकगणित जीवन में सामान्यतः उपयोगी होता है?

Political Theory

Secondly, we are all going to be citizens entitled to vote and decide other issues. To act responsibly, it is helpful to have a basic knowledge of the political ideas and institutions that shape the world we live in.

दूसरी बात यह कि हम सभी मत देने और अन्य मसलों के फैसले करने के अधिकार-संपन्न नागरिक बनने जा रहे हैं। दायित्वपूर्ण कार्य निर्वहन के लिए उन राजनीतिक विचारों और संस्थाओं की बुनियादी जानकारी हमारे लिए मददगार होती है, जो हमारी दुनिया को आकार देते हैं।

Political Theory

Thirdly, freedom, equality and secularism are not abstract issues in our lives. We daily encounter discrimination of various sorts in families, schools, colleges, shopping malls and so on. We ourselves have prejudices against people who are different from us, be they of a different caste or religion or gender or class. If we feel oppressed, we want it redressed and if that is delayed,

तीसरी बात यह कि आज़ादी, समानता, और धर्मनिरपेक्षता हमारे जीवन के अमूर्त मसले नहीं हैं। परिवारों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, व्यावसायिक केंद्रों आदि में तरह-तरह के भेदभावों का हम प्रतिदिन सामना करते हैं। हम स्वयं भी अपने से भिन्न लोगों के प्रति पूर्वाग्रह रखते हैं, चाहे वे अलग जाति के हों या अलग धर्म के अथवा अलग लिंग या वर्ग के। यदि हम उत्पीड़ित महसूस करते हैं, तो हम पीड़ा का निवारण चाहते हैं और यदि उसमें विलंब होता है,

Political Theory

we feel violent revolution is justified. If we are privileged, we deny that there is any oppression even as our maids and servants struggle for dignity. Sometimes, we even feel that our servants deserve the treatment they get. What political theory encourages us to do is examine our ideas and feelings about political things. Just by looking at them more carefully, we become moderate in our ideas and feelings.

तब हम महसूस करते हैं कि हिंसक क्रांति उचित है। यदि हम विशेषाधिकार संपन्न हैं, तो हम सम्मान के लिए संघर्षरत अपने नौकरों और नौकरानियों के उत्पीड़न से भी इनकार करते हैं। कभी-कभी हम यह भी महसूस करते हैं कि हमारे नौकर उसी व्यवहार के योग्य हैं, जो उनके साथ हो रहा है। राजनीतिक सिद्धांत बस यही करता है कि वह हमें राजनीतिक चीजों के बारे में अपने विचारों और भावनाओं के परीक्षण के लिए प्रोत्साहित करता है। थोड़ी अधिक सतर्कता से देखने भर से हम अपने विचारों और भावनाओं में उदार होते जाते हैं।